शुक्रवार
31 जुलाई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 188
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सृष्टि कंडारी मामले की होगी अब सीबी-सीआईडी जांच

❑विधायक विनोद कंडारी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

हमारे संवाददाता

देहरादून। श्रीकोट, श्रीनगर गढ़वाल निवासी सरकारी शिक्षिका सृष्टि कंडारी की संदिग्ध मौत के मामले में अब जांच सीबी-सीआईडी को सौंपी जाएगी। देवप्रयाग विधानसभा के विधायक विनोद कंडारी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर मामले की निष्पक्ष, गहन और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

विधायक विनोद कंडारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के समक्ष उन्होंने सृष्टि कंडारी प्रकरण को गंभीरता से उठाते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल गृह सचिव को इस पूरे प्रकरण की जांच सीबी-सीआईडी को सौंपने के लिखित आदेश जारी कर दिए हैं।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार इस मामले में पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है और जांच निष्पक्ष तरीके से कराई जाएगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यदि जांच में कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। गौरतलब है कि श्रीकोट निवासी सरकारी शिक्षिका सृष्टि कंडारी की विवाह के करीब आठ माह बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस मामले में परिजनों ने पति, सास और ननद पर दहेज उत्पीड़न और हत्या के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब मुख्यमंत्री के निर्देश पर मामले की जांच सीबी-सीआईडी को सौंपे जाने से निष्पक्ष और व्यापक जांच की उम्मीद बढ़ गई है।

घंटाघर के समीप दुकान में लगी आग, सामान स्वाह

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून के व्यस्तम क्षेत्र घंटाघर के पास चकराता रोड पर आज सुबह एक दुकान में आग लगने की घटना से अफरा-तफरी मच गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व फायरकर्मियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग लगने की इस घटना से दुकान का सारा सामान जल चुका है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग 7 बजे चकराता रोड पर गोयल फोटो के पास एक फोटो फ्रेमिंग एवं लैमिनेशन की दुकान में आग लगने की घटना से अफरा तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस व दमकल विभाग को दी। सूचना मिलने पर पुलिस व दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मौके पर जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त दुकान राजकुमार पुत्र स्व. केशव दास, निवासी प्रकाश नगर, ईदगाह रोड, देहरादून की है।

दुकान/भवन के स्वामी मयंक गोयल पुत्र राकेश गोयल, निवासी 14, चकराता रोड, देहरादून हैं। घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है, किन्तु दुकान में रखे फोटो फ्रेमिंग, लैमिनेशन एवं अन्य सामान आग से जलकर क्षतिग्रस्त हो गया है।

प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस व दमकल विभाग दुकान में आग लगने के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

राष्ट्र का दायित्व

भारतीय संसद के उच्च सदन राज्यसभा द्वारा वंदे मातरम् के सम्मान को कानूनी संरक्षण देने वाला विधेयक पारित किया जाना केवल एक विधायी निर्णय नहीं है, बल्कि राष्ट्रवाद, संविधान और नागरिक कर्तव्यों के बीच संतुलन पर नई बहस का भी आरंभ है। अब यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के गायन में बाधा डालता है, उसे रोकता है या उसका अपमान करता है, तो उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का रास्ता खुल जाएगा। सरकार का कहना है कि जिस राष्ट्रीय गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में करोड़ों भारतीयों को एक सूत्र में बांधा, उसके सम्मान की रक्षा करना राष्ट्र का दायित्व है। इस निर्णय को केवल राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जा सकता। वंदे मातरम् भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के दिनों में यही उद्घोष लाखों युवाओं की प्रेरणा बना। फांसी के फंदे पर झूलते क्रांतिकारियों के होंठों पर भी यही स्वर था। इसलिए इसका ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व निर्विवाद है। ऐसे राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान की रक्षा करना किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की स्वाभाविक जिम्मेदारी मानी जाती है। सरकार का तर्क भी इसी आधार पर खड़ा है। यदि राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान के अपमान पर दंड का प्रावधान है, तो राष्ट्रीय गीत को समान कानूनी संरक्षण क्यों न मिले? यह तर्क पहली दृष्टि में तार्किक प्रतीत होता है। राष्ट्रीय सम्मान केवल प्रतीकों का नहीं, बल्कि उस इतिहास और बलिदान का सम्मान भी है जिसने भारत को स्वतंत्र बनाया। लेकिन लोकतंत्र में हर कानून की कसौटी केवल उसकी भावना नहीं, बल्कि उसका व्यावहारिक प्रभाव भी होता है। यही वह बिंदु है जहां बहस शुरू होती है। क्या राष्ट्रभक्ति कानून से पैदा की जा सकती है? क्या सम्मान दंड के भय से अधिक प्रभावी होगा या संस्कारों से? यह प्रश्न नया नहीं है। राष्ट्रप्रेम का सबसे मजबूत आधार शिक्षा, सामाजिक चेतना और इतिहास की सही समझ है। यदि नागरिकों को यह बताया जाए कि वंदे मातरम्् केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की धड़कन था, तो उसके प्रति सम्मान स्वाभाविक रूप से विकसित होगा। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि कानून का उपयोग केवल उन मामलों में हो जहां वास्तव में जानबूझकर अपमान या व्यवधान उत्पन्न किया गया हो। किसी असहमति, तकनीकी त्रुटि या सामान्य परिस्थिति को अपराध का रूप देना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं होगा। कानून की भाषा और उसका क्रियान्वयन दोनों संतुलित होने चाहिए। राष्ट्र के सम्मान की रक्षा और नागरिक स्वतंत्रता दोनों भारतीय संविधान की मूल भावना का हिस्सा हैं। विपक्ष की ओर से यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि राष्ट्रवाद से जुड़े विषयों का राजनीतिक उपयोग बढ़ सकता है। यह चिंता पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकती, क्योंकि भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय प्रतीकों पर बहस कई बार चुनावी विमर्श का हिस्सा बन चुकी है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि इस कानून को किसी राजनीतिक हथियार के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सम्मान के साधन के रूप में लागू करे। दूसरी ओर, विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राष्ट्रीय गीत का सम्मान किसी दल विशेष का एजेंडा नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की साझा विरासत है। स्वस्थ लोकतंत्र में कानून के प्रावधानों पर सवाल उठाए जा सकते हैं, संशोधन सुझाए जा सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय प्रतीकों के महत्व को राजनीतिक ध्रुवीकरण का विषय बनाना उचित नहीं होगा। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता है। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों और आस्थाओं के बावजूद यह देश एक है। वंदे मातरम् का संदेश भी इसी मातृभूमि के प्रति समर्पण का संदेश है। यदि यह कानून उस भावना को मजबूत करता है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन यदि इसका उपयोग भय या विभाजन पैदा करने के लिए होता है, तो उसके उद्देश्य पर प्रश्न उठेंगे। अंततः किसी भी राष्ट्र का गौरव केवल कानूनों से सुरक्षित नहीं रहता। वह नागरिकों के मन, शिक्षा, संस्कृति और साझा विश्वास से सुरक्षित रहता है। संसद ने अपना दायित्व निभाया है, अब समाज की जिम्मेदारी है कि वह वंदे मातरम् को केवल कानूनी संरक्षण का विषय न बनाए, बल्कि उसे स्वतंत्रता संग्राम की उस विरासत के रूप में याद रखे जिसने भारत को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने में अद्वितीय भूमिका निभाई। राष्ट्रगीत का सम्मान तब सबसे अधिक सार्थक होगा, जब वह अदालत के आदेश से नहीं, बल्कि हर भारतीय के हृदय से स्वतः निकले। यही लोकतंत्र की शक्ति है और यही भारत की आत्मा भी।

तमंचे व कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ मेंले के दौरान वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से तमंचा, कारतूस व बाइक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना श्यामपुर पुलिस गश्त पर थी।। इस दौरान जब पुलिस पुरानी हरिद्वारी रोड, बाहरपीली गाँव के पास पहुंची तो उसे वहां बाइक सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से तमंचा, कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम साहिल पुत्र जाहिद, निवासी ग्राम धनपुरा (पानी की टंकी के पास), थाना पथरी, जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

भाजपा की 'जीत' के दावों का 'गणित'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के नेतृत्व को संगठन की मजबूती और चुनावी सफलता का प्रमुख आधार बताते हुए दावा किया है कि उनके कार्यकाल में पार्टी ने जीत के नए आयाम स्थापित किए हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के साथ लगातार संवाद और चुनावी रणनीति के बेहतर समन्वय ने भाजपा को राजनीतिक रूप से और मजबूत किया है। भाजपा का दावा है कि महेंद्र भट्ट ने प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद संगठन को केवल चुनावी मशीनरी तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे गांव, मंडल और बूथ स्तर तक सक्रिय बनाने का प्रयास किया। पार्टी के विभिन्न अभियानों, सदस्यता विस्तार कार्यक्रमों और संगठनात्मक बैठकों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को लगातार सक्रिय रखा गया, जिसका लाभ चुनावी मैदान में भी देखने को मिला।

पार्टी नेताओं का कहना है कि उत्तराखंड जैसे भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण राज्य में संगठन को मजबूत बनाए रखना आसान नहीं होता। इसके बावजूद प्रदेश नेतृत्व ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया। भाजपा का दावा है कि इसी रणनीति ने कई चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन को मजबूती दी। भाजपा के भीतर यह भी माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सक्रिय

◆भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का नेतृत्व, कार्यकर्ताओं का पसीना और उत्तराखंड भाजपा का रिपोर्ट कार्ड

◆संगठन को मिली नई धार, भाजपा ने जीत के नए आयाम गिनाए, विस चुनाव की तैयारियों को दी रफ्तार

◆प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल को संगठन विस्तार और चुनावी सफलता से जोड़ रही है उत्तराखंड भाजपा

किया जा रहा है। बूथ समितियों के गठन, पन्ना प्रमुख व्यवस्था, प्रशिक्षण शिविरों और जनसंपर्क अभियानों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पार्टी का मानना है कि मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि किसी भी संगठन की वास्तविक परीक्षा चुनाव परिणामों और जनसमर्थन से होती है। उनके अनुसार भाजपा ने संगठन को मजबूत करने के कई प्रयास किए हैं, लेकिन विपक्ष बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और स्थानीय मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में संगठनात्मक मजबूती के साथ जनता के बीच इन मुद्दों का समाधान भी महत्वपूर्ण रहेगा। विपक्ष का कहना है कि भाजपा अपनी उपलब्धियों का प्रचार कर रही है, लेकिन जनता विकास और सुशासन के ठोस परिणामों के आधार पर फैसला करेगी। कांग्रेस का दावा है कि आने वाले चुनाव में स्थानीय मुद्दे और जन असंतोष निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के नेतृत्व को संगठन की उपलब्धियों के रूप में सामने रखकर 2०27 के चुनावी अभियान की पृष्ठभूमि तैयार करती दिखाई दे रही है। वहीं विपक्ष इसे राजनीतिक प्रचार बताते हुए जमीनी मुद्दों पर सरकार की जवाबदेही तय करने की बात कर रहा है। उत्तराखंड की राजनीति अब संगठनात्मक सक्रियता और जनभावनाओं दोनों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती के दौर में प्रवेश कर चुकी है। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि भाजपा का संगठनात्मक माडल और विपक्ष की जनसरोकार आधारित राजनीति में से किसे जनता अधिक स्वीकार करती है।

कम्पनी का प्रतिनिधि बताकर ठगे साढे चार लाख के लैपटॉप

देहरादून (सं)। ओएमएस ग्रुप कम्पनी का प्रतिनिधि बताकर साढे चार लाख रूपये के लैपटॉप ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कनाट पैलेस चकराता रोड निवासी ललन कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्वंय को ओएमएस ग्रुप प्रा.लि. का प्रतिनिधि बताते हुए उससे 18 लैपटॉप कीमत लगभग साढे चार लाख रूपये डिलीवर कराये जाने की बात कहना व डिलीवर हो जाने के बाद धनराशि भूगतान किये जाने का आश्वासन देना तथा उक्त फोन नम्बर पर सम्पर्क किये जाने पर फोन ऑफ होना तथा उक्त आफिस में जाने पर वहां पर कोई सदस्य व सामान मौजूद नही होना पाया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मृतक मानव मूर्तियां हटाने को लेकर भैरव सेना ने प्रदर्शन कर पुतला दहन किया

संवाददाता

देहरादून। माणा गांव में मृतक मानव मूर्तिया हटाने की मांग को लेकर भैरव सेना ने प्रदर्शन कर पुतला दहन किया।

आज देहरादून के लैंसडाउन चौक पर भैरव सेना द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उग्र नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया और मांग की कि संबंधित विवादित मूर्तियां अति शीघ्र हटाई जाएं। संगठन ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2022 से चंदा-व्यवसायीकरण के अंतर्गत जीर्णोद्धारकर्ता विश्वनाथ कराड द्वारा श्री बदरीनाथ धाम के अंतर्गत आने वाले माणा गांव में मृतक मानव मूर्तियां स्थापित की गई हैं। इन मूर्तियों में मौखिक रूप से 29 करोड़ के दानदाता की स्वर्गीय बहन प्रयाग अक्का, स्वर कोकिला लता मंगेशकर तथा महाराष्ट्र प्रांत के सम्मानित संतों संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर सहित अन्य की मूर्तियां शामिल हैं। सनातन धर्म में आराध्य देवी-देवताओं के साथ मृतक मनुष्यों की मूर्तियां रखना पूरी तरह निषेध माना गया है।

वर्ष 2024 में संगठन की पूर्व घोषणा के अनुसार इन मूर्तियों को हटाने के लिए जब देहरादून से कार्यकर्ता कूच कर रहे थे, तो चमोली पुलिस-प्रशासन ने भारी घेराबंदी कर गौचर में भैरव सेना के कार्यकर्ताओं को रोक दिया और उन्हें माणा गांव नहीं जाने दिया गया। हालांकि, संगठन के भारी विरोध के चलते पृथक-पृथक पुलिस जांच में प्रकरण की सत्यता उजागर हुई और संगठन के आरोपों की पुष्टि हुई। इसके पश्चात, ग्राम प्रधान पीतांबर मोल्फा ने भैरव सेना को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि विवाद सुलझाया जा रहा है, आंदोलन समाप्त कर दिया जाए। परंतु, 2 वर्ष बीतने को आए हैं और अभी तक वे विवादित मृतक मूर्तियां वहां से नहीं हटाई गई हैं। संगठन मंत्री गणेश जोशी ने शासन-प्रशासन से आग्रह किया कि सनातन परंपराओं और जनभावनाओं की अनदेखी न की जाए, अन्यथा उत्पन्न होने वाली हर स्थिति की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थिति संजय पवार (केंद्रीय सचिव), मयंक मलिठा (प्रदेश अध्यक्ष, युवा मोर्चा), अनु राजपूत, अमन राजपूत, गौरी कोठियाल, सुनीता थापा, गीता बिष्ट, कल्पना भंडारी, अनिल गुप्ता इत्यादि रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में विकास से संबंधित 318 योजनाएं प्रस्तावित की गई

चम्पावत(आरएनएस)। जिला सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी की अध्यक्षता में विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन, विकसित भारत जीराम जी अधिनियम के अंतर्गत पंच सम्मेलन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में योजना के सफल क्रियान्वयन, अंतर-विभागीय समन्वय तथा ग्रामीण आजीविका संवर्धन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जनपद के अंतर्गत चार मुख्य श्रेणियों एवं 29 उप-श्रेणियों में वर्गीकृत लगभग 318 विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार कर उन पर बिंदुवार गहन मंथन किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों से ग्राम स्तर पर ही मजबूत और व्यावहारिक प्रस्ताव तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास की योजनाएं समावेशी दृष्टिकोण के साथ बनाई जानी चाहिए ताकि समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिल सके। परियोजना निदेशक अजय सिंह ने बताया कि जल संरक्षण व संवर्धन, भूमि सुधार एवं समतलीकरण, ग्रामीण संपर्क मार्गों के निर्माण, पौधरोपण, पशु शेड, नाली निर्माण, व्यक्तिगत परिसंपत्ति विकास तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर धरातल पर उतारा जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित विभिन्न रेखीय विभागों के अधिकारियों ने भी अपनी संचालित योजनाओं की जानकारी साझा की, जिससे विभागीय योजनाओं को एक साथ जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की जा सके। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, ब्लॉक प्रमुख सीमा आर्या, सहायक परियोजना निदेशक विम्मी जोशी, डीडीओ दिनेश सिंह दिगारी, समस्त खंड विकास अधिकारी, विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारीगण, त्रिस्तरीय पंचायतों के जनप्रतिनिधिगण, स्वयं सहायता समूहों की सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एनएच किनारे सरकारी भूमि पर अतिक्रमण को हटाने की मांग

पिथौरागढ़(आरएनएस)। भदेलबाड़ा के लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अतिक्रमण को हटाने और अधूरी सीवर लाइन का कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर बच्चों के लिए पार्क बनाने की मांग उठाई है। बुधवार को भदेलबाड़ा के पार्षद कमलेश सिंह के नेतृत्व में स्थानीय लोग जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। पार्षद कमलेश सिंह ने बताया कि नगर के एफसीआई ऐंचोली से कुमौड़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है। वार्ड में लगभग १०० वर्ष पुराना शिव मंदिर भी स्थित है। राजस्व विभाग छह माह पूर्व मंदिर क्षेत्र का सीमांकन कर अपनी रिपोर्ट नगर निगम को सौंप चुका है, लेकिन इसके बावजूद सरकारी भूमि पर अतिक्रमण लगातार बढ़ रहा है। अतिक्रमण हटाने के लिए प्राधिकरण की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। वर्ष २०२४-२५ में शुरू किया गया सीवर लाइन बिछाने का कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका है। अधूरी सीवर लाइन के कारण स्थानीय लोगों को रोजमर्रा की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान 15 दिनों के भीतर नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस दौरान एडवोकेट केसी पंत, डीएस नगरकोटी, भवानी दत्त तिवारी, दीवानी चंद्र शाही सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रतिभा प्रदर्शन को लेकर होगा डिजिटल युवा महोत्सव का आयोजन

चम्पावत(आरएनएस)। शासन के निर्देशानुसार राज्य में आयोजित किए जा रहे युवा महोत्सव-2026-27 के अंतर्गत जनपद चम्पावत में भी डिजिटल युवा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को डिजिटल माध्यम से जोड़ते हुए स्वस्थ जीवनशैली, खेल, संस्कृति, पर्यटन, लोककला तथा उत्तराखण्ड की समृद्ध विरासत के प्रचार-प्रसार के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। डीएम मनीष कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रतियोगिता का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक युवा इसमें प्रतिभाग कर सकें। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के उत्तराखंड निवासी युवा व्यक्तिगत एवं टीम श्रेणी में प्रतिभाग कर सकेंगे। प्रतियोगिताओं का आयोजन चार सप्ताह तक किया जाएगा, जिसमें फिटनेस चैलेंज के अंतर्गत सूर्य नमस्कार, पुश-अप, स्क्वाट, स्किपिंग, प्लैंक तथा फिटनेस फिनाले जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। वहीं सांस्कृतिक एवं रचनात्मक श्रेणी में मेरा जनपद-मेरी पहचान, युवा फोटोग्राफी चैलेंज जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। प्रतिभागियों को अपनी मौलिक वीडियो, रील अथवा फोटो निर्धारित समयावधि में फिट उत्तराखंड ऐप पर अपलोड करनी होगी। सभी प्रविष्टियों का मूल्यांकन जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। जनपद स्तर पर प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 5,००० , 3,००० एवं 2,००० की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। जनपद स्तर पर चयनित उत्कृष्ट प्रतिभागियों को राज्य युवा महोत्सव के दौरान राज्य स्तर पर भी सम्मानित किया जाएगा।

पहाड़ का 'ग्रीन गोल्ड' है रिंगाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के जंगलों में सदियों से चुपचाप उगने वाला रिंगाल आज केवल एक पौधा नहीं, बल्कि पहाड़ की अर्थव्यवस्था, संस्कृति और स्वरोजगार का नया प्रतीक बनता जा रहा है। कभी घरों की टोकरियां, डोका, सूप और खेती के उपकरण बनाने तक सीमित रहने वाला यह हिमालयी बांस अब लाखों रुपये के कारोबार का आधार बन रहा है। सरकार, स्वयं सहायता समूह और युवा उद्यमी मिलकर इसे ग्रीन गोल्ड यानी पहाड़ का हरा सोना बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

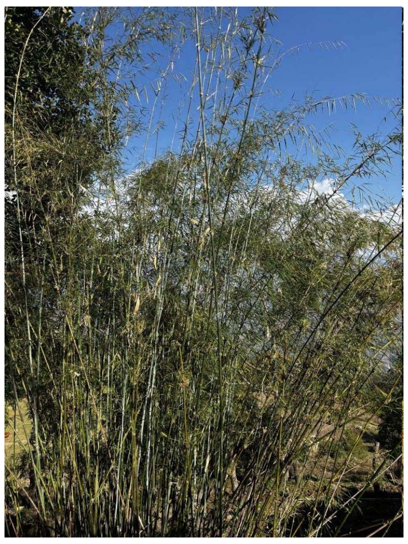

◆अब केवल टोकरी नहीं, स्वरोजगार का नया ब्रांड बन गया है आज रिंगाल
◆घरेलू जरूरतों तक सीमित रहने वाला रिंगाल लाखों के कारोबार का आधार
◆पारंपरिक हस्तशिल्प से ग्रीन गोल्ड बनने तक पहाड़ की नई आर्थिक क्रांति
◆पलायन रोकने से लेकर महिलाओं की आजीविका तक है पहाड़ की उम्मीद

उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के ऊंचाई वाले इलाकों में प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला रिंगाल सदियों से स्थानीय जीवन का हिस्सा रहा है। पहले गांवों में खेती-किसानी का लगभग हर काम रिंगाल से बने सामान के बिना अधूरा माना जाता था। खेतों में अनाज ढोने के लिए डोका, पशुओं के लिए टोकरियां, फल-सब्जी रखने की टोकरी, अनाज फटकने का सूप और घरेलू उपयोग की अनेक वस्तुएं इसी से तैयार होती थीं। यह केवल एक हस्तशिल्प नहीं, बल्कि पहाड़ की जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा था। लेकिन आधुनिकता के दौर में प्लास्टिक और मशीनों से बने सस्ते उत्पादों ने रिंगाल की पारंपरिक उपयोगिता को पीछे धकेल दिया। इसके साथ ही कारीगरों की संख्या भी तेजी से घटने लगी। नई पीढ़ी रोजगार की तलाश में शहरों की ओर निकल गई और गांवों में यह पारंपरिक कला सिमटने लगी।

अब तस्वीर बदल रही है। देश और दुनिया में पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों की बढ़ती मांग ने रिंगाल को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। आज रिंगाल से केवल टोकरियां ही नहीं, बल्कि लैंप, फर्नीचर, फूलदान, ट्रे, पेन स्टैंड, वाल हैंगिंग, हैंडबैग, गिफ्ट आइटम, कारपोरेट गिफ्ट और आधुनिक होम डेकोर उत्पाद भी बनाए जा रहे हैं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे महानगरों के साथ-साथ विदेशों तक इन उत्पादों की मांग बढ़ रही है। उत्तराखंड में कई स्वयं सहायता समूहों ने रिंगाल को महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनाया है। गांवों की महिलाएं खाली समय में हस्तशिल्प तैयार कर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। कई परिवारों की आमदनी का प्रमुख स्रोत आज यही शिल्प बन चुका है। इससे न केवल आर्थिक स्थिति सुधर रही है, बल्कि पारंपरिक कौशल भी नई पीढ़ी तक पहुंच रहा है।

यदि रिंगाल आधारित उद्योग को संगठित बाजार, डिजाइन नवाचार और ई-कामर्स का समर्थन मिले तो यह उत्तराखंड के लिए रोजगार का बड़ा माध्यम बन सकता है। जिस प्रकार पूर्वोत्तर राज्यों में बांस उद्योग ने हजारों लोगों को रोजगार दिया है, उसी प्रकार उत्तराखंड में भी रिंगाल आधारित क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं। पर्यावरण के लिहाज से भी रिंगाल अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मिट्टी के कटाव को रोकने, पहाड़ी ढलानों को स्थिर रखने और जैव विविधता को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में ऐसे पौधों का महत्व और बढ़ जाता है जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लोगों को रोजगार भी दें।

पर्यटन के क्षेत्र में भी रिंगाल नई संभावनाएं खोल रहा है। उत्तराखंड आने वाले पर्यटक स्थानीय हस्तशिल्प को स्मृति चिन्ह के रूप में खरीदना पसंद कर रहे हैं। यदि हर प्रमुख पर्यटन स्थल पर रिंगाल उत्पादों के बिक्री केंद्र विकसित किए जाएं, तो स्थानीय कारीगरों को सीधा लाभ मिलेगा। वोकल फार लोकल और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों के साथ इसे जोड़कर बड़ा बाजार तैयार किया जा सकता है। हालांकि चुनौतियां अभी भी कम नहीं हैं।

कच्चे माल के वैज्ञानिक प्रबंधन, प्रशिक्षित कारीगरों की कमी, आधुनिक डिजाइन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और आनलाइन मार्केटिंग की सीमाएं इस क्षेत्र की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। कई कारीगरों का कहना है कि उत्पाद तैयार हो जाते हैं, लेकिन उन्हें उचित बाजार नहीं मिल पाता। सरकार ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और विपणन की पहल की है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अभी भी एक समग्र नीति की आवश्यकता है। यदि रिंगाल को उत्तराखंड की विशेष पहचान के रूप में विकसित किया जाए, तो यह राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

जिस पहाड़ ने कभी रिंगाल को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया था, वही रिंगाल आज पहाड़ के भविष्य की नई कहानी लिख सकता है। पलायन से जूझ रहे गांवों में यदि स्थानीय संसाधनों पर आधारित रोजगार विकसित करना है, तो रिंगाल जैसे पारंपरिक शिल्प को केवल विरासत नहीं, बल्कि उद्योग के रूप में देखना होगा। उत्तराखंड के पास प्रकृति की अनमोल पूंजी है। जरूरत इस बात की है कि जंगलों में उगने वाले इस हरे सोने को बाजार, तकनीक और ब्रांडिंग का साथ मिले। जिस दिन रिंगाल का उत्पाद देश-विदेश के हर घर तक पहुंचेगा, उस दिन पहाड़ के गांवों में रोजगार भी लौटेगा और संस्कृति भी जीवित रहेगी। क्योंकि रिंगाल केवल बांस नहीं है यह पहाड़ की परंपरा, पर्यावरण और आत्मनिर्भर भविष्य का मजबूत आधार है।

कुंभ में 21 नवंबर को नगर प्रवेश और 14 जनवरी को निकलेगी पेशवाई

हरिद्वार(आरएनएस)। पंच दशनाम जूना अखाड़े ने कुंभ मेला-2027 के धार्मिक आयोजनों की तिथियों की घोषणा कर दी है।

अखाड़े के पंच परमेश्वर, रमता पंच और जमात 21 नवंबर 2026 को गोधूलि बेला में हरिद्वार में नगर प्रवेश करेंगे। इसके बाद एक दिसंबर 2026 को भैरव अष्टमी पर भूमि पूजन, 23 दिसंबर 2026 को दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर धर्म ध्वजा स्थापना होगी और 14 जनवरी 2027 को उत्तरायण पर्व पर भव्य पेशवाई निकाली जाएगी। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री महंत हरि गिरी महाराज ने इन तिथियों की घोषणा करते हुए कहा कि धर्म ध्वजा स्थापना के साथ ही कुंभ मेले का विधिवत शुभारंभ माना जाएगा।श्रीमहंत हरि गिरी महाराज की अध्यक्षता में विद्वान ज्योतिषाचार्यों और संतों ने विचार-विमर्श के बाद सभी धार्मिक आयोजनों के शुभ मुहूर्त निर्धारित किए।

उन्होंने बताया कि 21 नवंबर 2026 को अखाड़े के पंच परमेश्वर, रमता पंच और जमात गोधूलि बेला में नगर प्रवेश करेंगे। इसके बाद कुंभ मेला प्रशासन की ओर से आवंटित भूमि पर एक दिसंबर 2026 को भैरव अष्टमी के अवसर पर अभिजीत मुहूर्त में भूमि पूजन किया जाएगा।

वहीं 23 दिसंबर 2026 को दत्तात्रेय जयंती पर शुभ अभिजीत मुहूर्त में धर्म ध्वजा स्थापित की जाएगी। धर्म ध्वजा स्थापना के साथ ही कुंभ मेले का धार्मिक रूप से विधिवत शुभारंभ हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 14 जनवरी 2027 को उत्तरायण पर्व के अवसर पर नगाड़ों, निशानों और भगवान दत्तात्रेय की पालकी के साथ भव्य पेशवाई निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर, नागा संन्यासी और बड़ी संख्या में साधु-संत शामिल होंगे। श्रीमहंत हरि गिरी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में कुंभ मेला-2027 की तैयारियां सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ रही हैं। मेला प्रशासन अखाड़ों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं कर रहा है, जिससे यह कुंभ मेला अपनी भव्यता और व्यवस्थाओं के लिए नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

उन्होंने वर्तमान मेला अधिकारी सोनिका, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती तथा उनकी पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि सभी अधिकारी लगातार अखाड़ों के संपर्क में रहकर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

सुबह उठते ही घबराहट, थकान, शरीर में है दर्द तो नजरअंदाज न करें

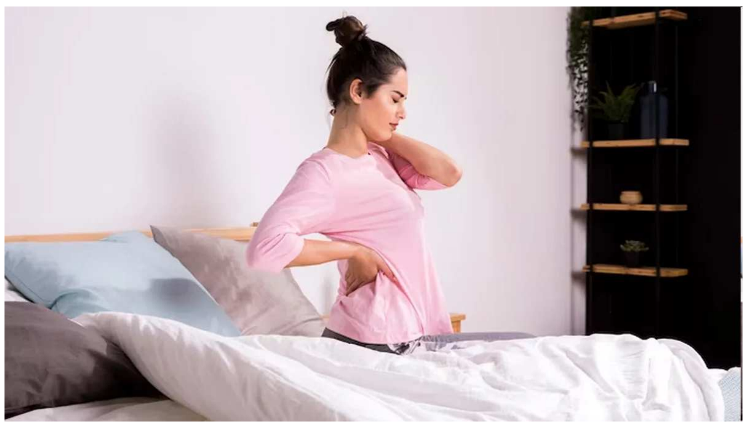

कभी-कभी सुबह उठते ही शरीर में दर्द, थकान, घबराहट जैसी समस्याओं का हम सामना करते हैं। लगातार अगर ऐसा परेशानी हो रही है तो इसका सबसे बड़ा कारण शरीर में कुछ न कुछ पोषक तत्वों की कमी है। शरीर को उसकी जरूरत के हिसाब से पोषक तत्व न मिल पाने से ऐसी परेशानियां होती है। ऐसे में आप भी अगर इन समस्यों से परेशान हैं तो आइए जानते है कि शरीर को किन पोषक तत्वों की ज्यादा जरूरत है और इसकी कमी को पूरा करने के लिए अपने डाइट में आपको क्या शामिल करना चाहिए।।।

कैल्शियम की कमी

कई बार हमें अचानक चक्कर आना, थकान महसूस होना, मांसपेशियों में ऐंठन या घबराहट जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसा अक्सर शरीर में कैल्शियम की कमी के कारण होता है।कैल्शियम हड्डियों और दांतों के लिए बहुत जरूरी मिनरल है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और मांसपेशियों में समस्याएं शुरू हो जाती हैं। चक्कर आना, थकान और अन्य लक्षण इसी कमी का संकेत हैं। ऐसे में कैल्शियम से भरपूर पदार्थ जैसे दूध, दही, पनीर, सेंधा नमक का सेवन बढ़ाना चाहिए। सही मात्रा में कैल्शियम के खाने से इन समस्याओं से निजात मिल सकती है।

फाइबर की कमी

शरीर में फाइबर की कमी एक आम समस्या है जो कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का कारण बनती है। फाइबर की कमी से हमें अक्सर थकान और चक्कर आना आदि होता है। फाइबर की कमी के कारण होने वाली समस्याओं से बचने के लिए हमें अपने डाइट में फाइबर युक्त चीजें जैसे - सब्जियां, फल, साबुत अनाज और दालें खानी चाहिए। फाइबर हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है।

आयरन की कमी

शरीर में आयरन की कमी एक आम समस्या है, जिसके कारण कई तरह के लक्षण दिखाई देते हैं। आयरन की कमी से सुबह उठने के बाद हमें बार-बार थकान महसूस होती है। साथ ही सिरदर्द, चक्कर आना, धुंधला या डबल दिखाई देना आदि लक्षण भी देखने को मिलते हैं।ऐसे में अपने आहार में स्पिनेच, पालक, बीन्स, अंडे जैसे आयरन से भरपूर फूड्स को शामिल करना चाहिए। तभी थकान और चक्कर से राहत मिल पाएगी।

साइकिल चलाने से कम हो जाता है दिल की बीमारियों का खतरा

आजकल सभी लोग बाहर जाने के लिए बाइक या कार का इस्तेमाल करते हैं। पुराने जमाने में लोग कहीं भी जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करते थे। जिनसे उनका शरीर तंदुरुस्त रहता था। अगर आप रोजाना 30 मिनट तक साइकिल चलाते हैं तो इससे आपका शरीर हमेशा स्वस्थ रह सकता है।

साइकिल चलाने के फायदे:

साइकिल चलाने से दिल की बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है।

साइकिल चलाने से दिमाग में सिरोटोनिन और डोपामाइन जैसे रसायन का स्राव होता है, जिससे आपका दिल हमेशा स्वस्थ रहता है। साइकिल चलाते वक्त आप तेजी से सांस लेते हैं, जिससे आपकी त्वचा को भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन की प्राप्ति होती है। रोजाना साइकिल चलाने से आपकी त्वचा लंबे समय तक जवान बनी रहती है। इसके अलावा साइकिल चलाने से आपकी हड्डियां भी मजबूत हो जाती हैं। अगर आपको शुगर की समस्या है तो रोजाना आधा घंटा साइकल जरूर चलाएं। साईकिल चलाने से पहले भरपूर मात्रा में पानी का सेवन करें।

माउथवॉश के इस्तेमाल से बढ़ सकता है डायबिटीज का खतरा

अक्सर हम मुंह की दुर्गन्ध को मिटाने के लिए माउथवॉश का इस्तेमाल करते है। माउथवॉश में एंटी-बैक्टीरियल तत्व मौजूद होते हैं जो मुंह में माइक्रोब्स के बनने पर असर डालते हैं, जिनसे मुंह में नाइट्रिक ऑक्साइड बनने में कमी आ जाती हैं और इससे शरीर का मेटाबोलिज्म बिगड़ जाता है जो डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारी के खतरे को काफी हद तक बढ़ा देता है।

डायबिटीज का खतरा:

एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि रोजाना दिन में कम से कम 2 बार माउथवॉश का इस्तेमाल करने वाले लोगों में दूसरे लोगों के मुकाबले डायबिटीज का खतरा 55 फीसदी तक बढ़ जाता है। माउथवॉश के इस्तेमाल से सेहत को फायदे कम और नुकसान ज्यादा होते हैं। इस रिसर्च में लगभग 1,206 मोटापे से ग्रस्त लोगों को शामिल किया गया है, जिनकी उम्र 40 साल से 65 साल के बीच है और जिनको किसी प्रकार की डायबिटीज या दिल से जुड़ी बीमारी नहीं है। इन लोगों में करीबन 43 फीसदी लोग दिन में एक बार माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं, जबकि 22 फीसदी लोग दिन में 2 बार माउथवॉस का उपयोग करते पाए गए। इन सभी लोगों में ब्लड शुगर का खतरा बहुत ज्यादा देखा गया है।

पीले रंग को इसलिए मानते हैं शुभ

आमतौर पर लोग शुभ कार्यों में पीले रंग के वस्त्र धारण करते हैं। ज्योतिष में भी पीले रंग को खास महत्व दिया गया है। पीले रंग का संबंध गुरु बृहस्पति से भी माना गया है।यह सूर्य के चमकदार हिस्से वाला रंग है। यह मुख्य रंगों का हिस्सा है और यह रंग स्वभाव से गर्म और ऊर्जा पैदा करने वाला होता है। पीले रंग का पाचन तंत्र, रक्त संचार और आँखों पर सीधा प्रभाव पडता है।

इस रंग की खूबी

इस रंग के अंदर मन को बदलने की क्षमता होती है। यह बृहस्पति का प्रधान रंग है। यह रंग जीवन में शुभता लाता है। मन को उत्साहित करके नकारात्मक विचारों को समाप्त कर देता है। यह नजर दोष या नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट कर देता है। इस रंग के प्रयोग से ज्ञान प्राप्ति में सुविधा होती है। साथ ही मन में अच्छे विचार बने रहते हैं। इस रंग का इस प्रकार करें प्रयोग पढने और पूजा के स्थान पर इस रंग का खूब प्रयोग कर सकते हैं। घर की बाहरी दीवारों पर भी पीले रंग का प्रयोग कर सकते हैं। घर के अंदर पीले रंग के हल्के शेड का प्रयोग किया जा सकता है। नकारात्मक ऊर्जा से बचने के लिए पीला रुमाल साथ में रखें। हल्दी का तिलक लगाकर मन को सात्विक और शुद्ध रख सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

टहलना या दौड़ना, सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद क्या ?

सेहतमंद रहने के लिए हेल्थ एक्सपर्ट हमेशा एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। सबसे आसान और बेस्ट एक्सरसाइज की बात जब होती है तो वॉकिंग और रनिंग का नाम सबसे पहले आता है। आप दौडकर या नियमित रूप से टहल कर अपने आपको फिट और सेहतमंद रख सकते हैं। लेकिन जब बात बेस्ट की होती है तो लोग कंफ्यूज हो जाते हैं कि टहलना ज्यादा अच्छा है या फिर दौड़ना।

आपको बता दें कि फिटनेस के मामले में दोनों ही एक्सरसाइज बेस्ट हैं। हालांकि इनका सेहत पर अलग अलग तरह से असर होता हैचलिए जानते हैं कि टहलने और दौड़ने के स्वास्थ्य संबंधी फायदे क्या क्या हैं।

टहलना सेहत को फिट रखने के लिए अच्छा होता है। इससे आपका शरीर एक्टिव रहता है और खाना सही से पचता है। जिन लोगों को डायबिटीज है, उन्हे ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के लिए लगातार टहलना चाहिए। तनाव, चिंता, एंजाइटी, नींद की कमी, एकाग्रता की कमी आदि दूर होती हैं। बीमार और बुजुर्ग लोग जो ज्यादा एक्सरसाइज नहीं कर सकते, उनको टहलने से सेहत संबंधी लाभ मिल सकते हैं। टहलने का एक लाभ ये भी है कि आप इस एक्सरसाइझ को किसी भी उम्र में कर सकते हैं। टहलने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है और इसे आंखों के लिए भी फायदेमंद बताया गया है।

टहलने की तरह दौडने यानी रनिंग के भी ढेर सारे फायदे हैं। दुनिया में जिस तरह तेजी से मोटापा बढ़ रहा है,ऐसे में रनिंग वेट लॉस करने के लिए एक बेस्ट ऑप्शन बन गया है। दौड़ने से बहुत सारी कैलोरी और फैट बर्न होता है और इसी वजह से मोटापा कम होता है। दूसरी तरफ दौड़ने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। दिल को बेहतर रखने के लिए दौड़ना एक अच्छी एक्सरसाइज साबित होती है।

शब्द सामर्थ्य -006

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

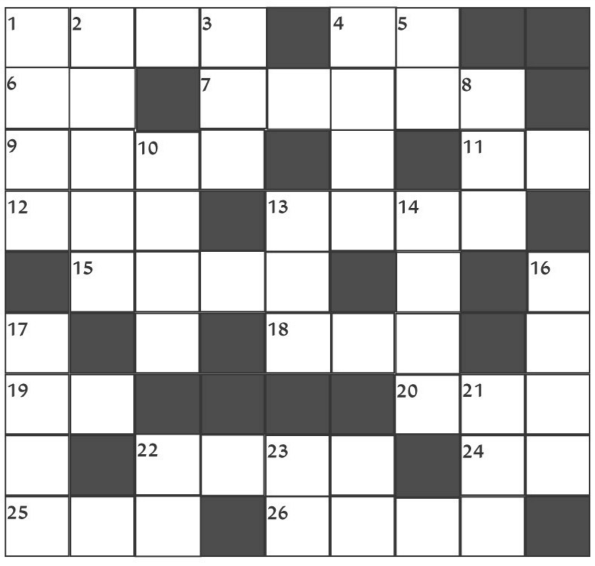

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 05 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

बंद नाक को खोलने में कारगर है नीलगिरी का भाप लेना

बंद नाक की समस्या आमतौर पर सर्दी, खांसी या एलर्जी के कारण होती है। जब नाक बंद होती है तो सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इस स्थिति में नीलगिरी का भाप लेना एक असरदार उपाय हो सकता है। नीलगिरी का तेल प्राकृतिक रूप से एंटीसेप्टिक और दर्द निवारक होता है, जो बंद नाक को खोलने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं कि नीलगिरी का भाप लेने से बंद नाक कैसे खुल सकती है।

नीलगिरी का तेल एक प्राकृतिक उपाय है, जो रक्त नलिकाओं को सिकोड़कर सूजन को कम करता है। इससे नाक की सूजन भी कम होती है और सांस लेना आसान हो जाता है। इसके अलावा नीलगिरी के तेल में सूजन कम करने वाले तत्व भी होते हैं। जब आप नीलगिरी का भाप लेते हैं तो यह आपके शरीर को ठंडक पहुंचाता है, जिससे आपको राहत मिलती है।

नीलगिरी का भाप लेने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी उबालें और उसमें 5-6 बूंदें नीलगिरी का तेल डालें। अब अपने सिर को तौलिये से ढककर बर्तन के ऊपर रख लें ताकि भाप आपके चेहरे पर सीधे आए। ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो ताकि आपकी त्वचा जल न जाए। इस प्रक्रिया को 10-15 मिनट तक दोहराएं। इससे आपकी बंद नाक खुल जाएगी और आपको राहत मिलेगी।

नीलगिरी का भाप लेने से केवल बंद नाक ही नहीं बल्कि सिरदर्द, थकान और तनाव में भी राहत मिलती है। इसके अलावा यह आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद हो सकता है क्योंकि भाप लेने से त्वचा के छिद्र खुल जाते हैं और गंदगी बाहर निकल जाती है। नीलगिरी का तेल एक प्राकृतिक उपाय है, जो बिना किसी दवा के आपको ताजगी और राहत प्रदान करता है। इसे नियमित रूप से अपनाकर आप अपनी सेहत में सुधार ला सकते हैं।

नीलगिरी का भाप लेते समय कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील होती है तो पहले थोड़ा परीक्षण करें। इसके अलावा अगर आपको सांस की या किसी अन्य बीमारी हो तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें। बच्चों और बुजुर्गों को भी सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि उनकी त्वचा अधिक संवेदनशील होती है। इस प्रकार नीलगिरी का भाप लेना एक सरल और असरदार उपाय हो सकता है, जो आपकी बंद नाक को खोलने में मदद करता है।

स्कैल्प सीरम का इस्तेमाल करने से मिल सकते हैं ये फायदे

स्कैल्प सीरम एक खास उत्पाद है, जो बालों की जड़ों को मजबूत और स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह सीरम बालों की जड़ों तक गहराई से पहुंचता है और उन्हें पोषण देता है। इसके नियमित उपयोग से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से बचते हैं। आइए जानते हैं कि स्कैल्प सीरम के इस्तेमाल से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

बालों की जड़ों को मिलता है पोषण

स्कैल्प सीरम में मौजूद पोषक तत्व बालों की जड़ों तक पहुंचते हैं और उन्हें जरूरी विटामिन्स और खनिज प्रदान करते हैं। इससे बालों की जड़ों को मजबूती मिलती है और वे टूटने से बचते हैं। नियमित उपयोग से बालों की सेहत में सुधार होता है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इसके अलावा सीरम बालों की जड़ों को नमी प्रदान करता है, जिससे वे चमकदार और मुलायम बनते हैं।

डैंड्रफ से मिलेगी छुटकारा

स्कैल्प सीरम डैंड्रफ की समस्या को भी दूर कर सकता है। इसमें मौजूद एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण डैंड्रफ के कारण होने वाले कीटाणुओं को खत्म करते हैं। इसके अलावा यह स्कैल्प की सफाई भी करता है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है। नियमित उपयोग से स्कैल्प की नमी बनी रहती है और खुजली की समस्या भी कम होती है। इसके परिणामस्वरूप बालों की जड़ों में मजबूती आती है और वे टूटने से बचते हैं।

बालों का गिरना होगा कम

स्कैल्प सीरम बालों के गिरने की समस्या को कम करने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद प्रोटीन और एमिनो एसिड बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं, जिससे वे गिरते नहीं हैं। इसके अलावा यह रक्त संचार को बढ़ाता है, जिससे बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व बेहतर तरीके से पहुंचते हैं। नियमित उपयोग से बालों की मात्रा में सुधार होता है और वे अधिक घने और मजबूत बनते हैं।

नए बालों की होगी वृद्धि

स्कैल्प सीरम नए बालों की वृद्धि को बढ़ावा देने में भी सहायक होता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तेल और जड़ी-बूटियों के तत्व नए बालों की जड़ों तक पहुंचते हुए उन्हें पोषण देते हैं। इसके अलावा यह सीरम बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है, जिससे नए बाल तेजी से बढ़ते हैं। नियमित उपयोग से बालों की सेहत में सुधार होता है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इसके परिणामस्वरूप बालों की लंबाई और मोटाई में भी वृद्धि होती है।

स्कैल्प सीरम रूखे और बेजान बालों में जान डालने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद नमी देने वाले तत्व बालों को गहराई से नमी प्रदान करते हुए उन्हें मुलायम बनाते हैं। इसके अलावा यह सीरम बालों को चमकदार बनाता है, जिससे वे स्वस्थ दिखते हैं। इसके नियमित उपयोग से बालों की सेहत में सुधार होता है और वे टूटने से बचते हैं। इन सभी फायदों के लिए स्कैल्प सीरम को अपनी बालों की देखभाल रूटीन में जरूर शामिल करें।

पॉश एक्ट कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षा कवचः डॉ मनु शिवपुरी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कार्य स्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और उनके आत्मसम्मान की रक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा बनाए गए पोश एक्ट, की हरिद्वार जिला स्तरीय समिति ने हरकी पैड़ी पर गंगा मईया की पूजा अर्चना और आरती कर अपने निष्पक्ष कर्तव्य निर्वहन का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मां गंगा स्वयं एक नारी हैं, और उनका पूजन आशीर्वाद लेकर महिलाओं के लिए निष्पक्ष भाव से निर्णय लेने के आशीर्वाद प्राप्ति के लिए जिला पॉश समिति की अध्यक्षा डॉक्टर मनु शिवपुरी, सदस्य वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती शशि शर्मा, एडवोकेट रश्मि उपाध्याय ने पूरे विधि -विधान से गंगा सभा के पुरोहित के सानिध्य में गंगा मईया का पूजन वंदन किया।

जिला पॉश समिति की अध्यक्षा डॉक्टर मनु शिवपुरी ने कहा कि कामकाजी महिलाएं अपने कार्यस्थल पर काम करते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ काम करने में समर्थ हों और महिलाओं को उनके कार्यस्थल पर किसी भी तरह के यौन उत्पीडन का सामना न करना पड़े इसके लिए भारत सरकार द्वारा गठित 'पॉश एक्ट' कामकाजी महिलाओं के लिए एक कवच है, जिसका उपयोग कोई भी उत्पीड़ित महिला निसंकोच कर सकती है, उन्होंने कहा शीघ्र ही जिले के तमाम विभागों में विभागों की अंतरंग परिवाद समितियों का गठन भी किया जायेगा ताकि हर क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं निर्भय होकर काम कर सकें।

समिति की सदस्य वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती शशि शर्मा ने कहा, पोश एक्ट, जिसका पूरा नाम कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 है, का गठन भारत सरकार द्वारा एक कानून के रूप में किया गया है। महिलाओं की कार्यक्षमता में आने वाली बाधाओं को दूर करने की दृष्टि से बना ये एक्ट कामकाजी महिलाओं के प्रति उनके कार्यस्थल पर किसी भी पुरुष अधिकारी, सहयोगी अथवा कर्मचारी द्वारा किए गए किसी भी तरह की छेड़छाड़, अश्लील इशारे, अथवा गलत फब्ती या कमेंट करने अथवा गलत तरीके से घूरने तक भी लागू होता है, आवश्यक है कि इस एक्ट के बारे में महिलाओं के साथ साथ पुरुष भी जागरूक हों और कामकाजी महिलाओं के प्रति सम्मान रखने के साथ साथ अपनी हदों और रक्षात्मकता को भी जाने।

गंगा पूजन के बाद हरकी पैड़ी गंगा सभा के कार्यालय में समिति ने उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिट) गुरमीत सिंह से मुलाकात कर उन्हें पॉश एक्ट समिति ;जनपद हरिद्वार के बारे में बता कर उनका निर्देशन प्राप्त किया।

कांग्रेस की दो अगस्त से होने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा स्थगित

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस की दो अगस्त से शुरू होने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा एसआईआर की प्रक्रिया के दृष्टिगत स्थगित कर दिया गया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर प्रदेशभर में प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह के संयोजन में आयोजित किये जा रहे ''परिवर्तन संकल्प यात्रा'' के तहत देहरादून जनपद के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में 2 अगस्त 2026 से 5 अगस्त 2026 तक आयोजित ''परिवर्तन संकल्प यात्रा'' को प्रदेश में चल रही एसआइआर की प्रक्रिया को दृष्टिगत रखते हुए स्थगित कर दिया गया है।

यात्रा कार्यक्रम की अगली तिथि 10 अगस्त 2026 के उपरान्त घोषित की जायेगी। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने बताया कि प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह के संयोजकत्व में परिवर्तन संकल्प यात्रा के दूसरे चरण में 2 अगस्त 2026 से 5 अगस्त 2026 तक देहरादून जिले के विकासनगर, सहसपुर, देहरादून कैन्ट, रायपुर, राजपुर, मसूरी एवं डोईवाला विधानसभा क्षेत्रों में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, सीडब्लूसी सदस्य करन माहरा, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत चुनाव एवं उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापडी के नेतृत्व में परिवर्तन संकल्प यात्रा आयोजित की गई थी।

प्रदेश में चल रही एसआइआर की प्रक्रिया के दूसरे चरण को दृष्टिगत रखते हुए परिवर्तन संकल्प यात्रा स्थगित की गई है तथा शीघ्र ही प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेतागणों से विचार विमर्श के उपरान्त परिवर्तन संकल्प यात्रा की 10 अगस्त 2026 के उपरान्त नई तिथियों की घोषणा की जायेगी।

हरेला महाभियानः मंदिरों में विकसित किए जा रहे है औषधीय उद्यान

हमारे संवाददाता

पौड़ी। हरेला महाभियान के तहत जनपद पौड़ी गढ़वाल में पर्यावरण संरक्षण के साथ जनस्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला आयुर्वेद एवं यूनानी विभाग द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में औषधीय उद्यान विकसित किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देशन में शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य औषधीय पौधों का संरक्षण, आयुर्वेद के प्रति जनजागरुकता बढ़ाना तथा लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना है।

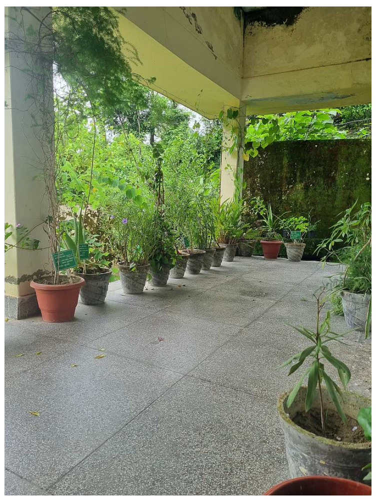

इस अभियान के अंतर्गत जनपद के 34 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में औषधीय उद्यान स्थापित किए जा रहे हैं। जिला आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सालय द्वारा कुल 1.70 लाख रूपये की राशि उपलब्ध कराकर औषधीय एवं सुगंधित पौधों का रोपण कराया जा रहा है। आरोग्य मंदिर परिसरों के साथ-साथ गांवों के सार्वजनिक स्थलों पर भी इन पौधों को लगाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इनके महत्व और उपयोगिता से परिचित हो सकें। औषधीय उद्यानों में तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय, लेमनग्रास, एलोवेरा, ब्राह्मी, पुदीना सहित अनेक औषधीय एवं सुगंधित प्रजातियों का रोपण किया जा रहा है। ये पौधे पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही आमजन को घरेलू उपचारों और आयुर्वेदिक औषधियों के महत्व की व्यावहारिक जानकारी भी उपलब्ध होगी।

जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि औषधीय उद्यान विकसित करने का उद्देश्य प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर को स्वास्थ्य जागरुकता का जीवंत केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि इन उद्यानों के माध्यम से लोगों को औषधीय पौधों की पहचान, उनके औषधीय गुणों तथा दैनिक जीवन में उनके उपयोग की जानकारी दी जाएगी।

एसटी क्षेत्र का दर्जा देने और मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग उठी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने सीमांत जनपद को अनुसूचित जनजाति (एसटी) क्षेत्र का दर्जा देने और जनपद में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की मांग उठाई है। ब्रह्मखाल में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि पार्टी इन दोनों मांगों को पूरी मजबूती से उठाएगी और इन्हें कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में शामिल कराने का प्रयास किया जाएगा।सम्मेलन में संगठनात्मक मजबूती, मतदाता जागरूकता और आगामी चुनावी रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन में नवनियुक्त कांग्रेस पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों, ग्राम प्रधानों, पूर्व प्रधानों और कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वालों का शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया।सम्मेलन के मुख्य अतिथि पार्टी जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत ने कहा कि उत्तरकाशी की सीमांत स्थिति, विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं को देखते हुए जनपद को अनुसूचित जनजाति क्षेत्र का दर्जा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय लोगों के अधिकारों की सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण और क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की दूसरी प्रमुख मांग उत्तरकाशी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना है।

गुरुकुल विवि में वेतन वृद्धि की संरचना में बदलाव से भड़के कर्मचारी

हरिद्वार(आरएनएस)। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी यूनियनों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विवि के कर्मचारियों ने विवि प्रशासन की ओर से वेतन वृद्धि की संरचना में बदलाव, महंगाई भत्ता (डीए) लंबित रखने और पदोन्नति व एमएसीपी के लाभ नहीं देने को कर्मचारी विरोधी फैसला बताया और विवि प्रशासन का विरोध किया। शिक्षक यूनियन के अध्यक्ष डॉ. एमएम तिवारी और सचिव नमित खंडुजा ने बताया कि वर्ष २००० से कार्यरत करीब ८० कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि की संरचना बिना किसी पूर्व सूचना और स्पष्ट आधार के बदल दी गई है। इससे कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।उनका आरोप है कि कार्यवाहक कुलपति के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया। यूनियन का कहना है कि जनवरी २०२६ से देय महंगाई भत्ता अब तक जारी नहीं किया गया है। वहीं, पदोन्नति प्राप्त शिक्षकों को आर्थिक और पद संबंधी लाभ नहीं मिले हैं तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों की वर्षों से लंबित एमएसीपी भी रोक दी गई है। शिक्षकेतर यूनियन अध्यक्ष रजनीश भारद्वाज और सचिव नरेंद्र मलिक ने मांग की कि वेतन वृद्धि की पूर्व व्यवस्था बहाल की जाए, लंबित डीए का भुगतान किया जाए और पात्र कर्मचारियों व शिक्षकों को सभी देय लाभ दिए जाएं।

सू- दोकू क्र.005

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.05 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	6	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

ग्रामसभा अथरबनी को सड़क मार्ग से जोड़ने की कवायद तेज, लोक निर्माण विभाग ने किया स्थलीय निरीक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। नगर से सटी ग्रामसभा अथरबनी के निचले क्षेत्र को सड़क मार्ग से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। लंबे समय से सड़क सुविधा से वंचित इस क्षेत्र के लोगों की मांग पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने प्रस्तावित सड़क मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया और विभिन्न संभावित विकल्पों का परीक्षण किया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क सुविधा के अभाव में उन्हें दैनिक आवागमन, व्यावसायिक कार्य, बच्चों की शिक्षा, मरीजों को अस्पताल पहुंचाने तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों द्वारा कई बार संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष सड़क निर्माण की मांग उठाई गई थी। इसी क्रम में विभाग ने क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण कर सड़क निर्माण की संभावनाओं का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता कैलाश चंद्र एवं अवर अभियंता हितांशी नैनवाल ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामसभा के निचले हिस्से को राजकीय मेडिकल कॉलेज, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट अथवा अन्य उपयुक्त संपर्क मार्गों से जोड़ने के विभिन्न विकल्पों का निरीक्षण किया तथा उनकी तकनीकी व्यवहार्यता पर विचार किया। अधिकारियों ने ग्राम प्रधान एवं स्थानीय ग्रामीणों के साथ विस्तृत चर्चा कर सड़क निर्माण के संभावित मार्ग, भूमि की स्थिति, जनसुविधा तथा भविष्य की आवश्यकताओं से जुड़े सुझाव भी प्राप्त किए। ग्रामीणों ने अधिकारियों से शीघ्र सर्वेक्षण पूरा कर सड़क निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ करने का अनुरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित सड़क मार्ग बनने से क्षेत्र के लोगों को वर्षभर सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज, विकास भवन, कलेक्ट्रट और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंच आसान होगी, आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना संभव होगा तथा क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक और व्यापारिक विकास को भी नई गति मिलेगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान विनोद जोशी, उपप्रधान रमेश भोज, सुंदर गंगोला, सुरेंद्र बिष्ट, पंकज भंडारी, हरीश भंडारी, मोहन कड़ाकोटी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने सड़क निर्माण की दिशा में शुरू हुई पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि विभाग शीघ्र आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर क्षेत्र को सड़क सुविधा से जोड़ने की दिशा में प्रभावी कदम उठाएगा।

बड़ी जात की तैयारियां तेज, विभागों को किया अलर्ट

चमोली(आरएनएस)। चमोली जिला प्रशासन आगामी सितंबर माह में होने वाली मां नंदा की बड़ी जात के आयोजन की तैयारियों में जुट गया है। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने जात के सफल संचालन के लिए चमोली जिला प्रशासन को व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नंदा देवी की बड़ी जात 5 से 30 सितंबर तक होगी। शासन-प्रशासन स्तर पर इसकी तैयारियां चल रही हैं।

उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीरज सिंह गर्ब्याल की ओर से जिलाधिकारी को भेजे पत्र में कहा गया है कि शासन स्तर पर हुई बैठक में जात के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां दी जाएं। परिषद ने जिला प्रशासन से यात्रा मार्ग पर पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, स्वच्छता, यातायात, सुरक्षा, संचार, आवास तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षकों को बीएलओ, एसआईआर ड्यूटी से मुक्त रखने की मांग

विकासनगर(आरएनएस)। राजकीय शिक्षक संघ ने शिक्षकों को निर्वाचन संबंधी (बीएलओ, एसआईआर) ड्यूटी से मुक्त रखने की मांग की है। संघ का कहना है कि अधिकांश विद्यालयों से 7० फीसदी शिक्षकों की बीएलओ और एसआईआर ड्यूटी लगाई गई है। इसका सबसे अधिक असर विद्यार्थियों की पढ़ाई और परीक्षा परिणामों पर पड़ेगा। कमजोर विद्यार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन नहीं मिल पाएगा और बोर्ड परीक्षाओं सहित अन्य परीक्षाओं के परिणाम भी प्रभावित हो सकते हैं।

संघ का कहना है कि बाद में खराब परीक्षा परिणामों की जिम्मेदारी शिक्षकों और विद्यालयों पर ही डाल दी जाती है, जबकि वास्तविक कारण शिक्षकों को बार-बार गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाना है। राजकीय शिक्षक संघ के जिला महामंत्री अर्जुन पंवार ने शासन को ज्ञापन प्रेषित कर बताया कि उत्तराखंड के राजकीय विद्यालयों के शिक्षक हमेशा अपने शैक्षणिक दायित्वों के साथ-साथ शासन और प्रशासन की ओर से सौंपे गए अतिरिक्त कार्यों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन करते रहे हैं। जून माह के ग्रीष्मावकाश के दौरान भी सैकड़ों शिक्षकों ने अपना अवकाश त्यागकर निर्वाचन कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कहा कि अब अगस्त माह से फिर बड़ी संख्या में शिक्षकों की निर्वाचन कार्य में ड्यूटी लगाई जा रही है, जबकि यह शैक्षणिक सत्र का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इसी दौरान नियमित कक्षाएं, आधारभूत अधिगम, पाठ्यक्रम की प्रगति, आंतरिक मूल्यांकन, प्रायोगिक कार्य और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी शुरू होती है। विद्यालयों के बड़ी संख्या में शिक्षक निर्वाचन कार्यों में व्यस्त रहेंगे तो शिक्षण व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित होगी।

उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2०2० शिक्षकों को अधिकतम समय शिक्षण कार्य के लिए उपलब्ध कराएं। ज्ञापन के माध्यम से शासन से आग्रह किया गया कि विद्यार्थियों के हित, विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता और बेहतर परीक्षा परिणामों को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों को बीएलओ, एसआईआर ड्यूटी से पूर्णत: मुक्त कराने के लिए प्रभावी पहल की जाए।

डॉक्टरों के तबादले निरस्त करने की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार(आरएनएस)। सरकारी अस्पतालों से बड़ी संख्या में चिकित्सकों के तबादले के विरोध में महानगर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने तबादला आदेशों की समीक्षा कर उन्हें निरस्त करने और स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करने की मांग उठाई। सरकारी अस्पतालों से बड़ी संख्या में चिकित्सकों के स्थानांतरण के विरोध में महानगर कांग्रेस ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन किया। जिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा कि हरिद्वार में स्थानीय लोगों के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपचार के लिए सरकारी अस्पतालों पर निर्भर रहते हैं।ऐसे में डॉक्टरों के बड़े पैमाने पर हुए तबादलों से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी और मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल सकेगा। पूर्व विधायक रामयश सिंह और युवा नेता वरुण बालियान ने कहा कि प्रदेश में जारी तीन सौ से अधिक चिकित्सकों की जंबो स्थानांतरण सूची का सबसे अधिक असर हरिद्वार पर पड़ा है। पूर्व अध्यक्ष ओपी चौहान और कैलाश भट्ट ने जिला अस्पताल में एसएनसीयू संचालित नहीं होने तथा गंभीर नवजातों को रेफर किए जाने का मुद्दा उठाया। महिला कांग्रेस नेताओं ने जिला महिला चिकित्सालय में 24 घंटे मेडिकल इमरजेंसी सेवा शुरू करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कांवड़ मेला और आगामी कुंभ को देखते हुए अतिरिक्त चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती की मांग करते हुए चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष मोहन सिंह राणा, वरिष्ठ नेता जगत सिंह रावत, पार्षद हिमांशु गुप्ता, विवेक भूषण विक्की, पार्षद प्रतिनिधि ऋषभ वशिष्ठ, उज्जवल वालिया, मार्कण्डेय सिंह, सीपी सिंह, सत्यपाल शास्त्री, धनीराम शर्मा, महानगर कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेश छाछर, शुभम जोशी, वार्ड अध्यक्ष नंदन कुमार, मनीष गुप्ता, मोहित गर्ग, आशीष प्रधान, शादाब खान, सत्री सेतिया, अज्जू खान, नदीम खान, सोनू, संदीप कुमार, अरविंद, मोहसिन, जितेन्द्र चौधरी, एडवोकेट अशोक शर्मा, सतीश दुबे, दाताराम चौहान, मुकुल चौहान, शिवा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसआईआर नोटिसों के समाधन को लेकर बैठक

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के निर्देशानुसार प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर द्वारा देहरादून की कैंट विधानसभा के विजय पार्क क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जारी नोटिसों के समाधान को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि कैंट विधानसभा क्षेत्र में लगभग 47,711 मतदाताओं को एसआईआर के अंतर्गत नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में जारी नोटिसों को देखते हुए कांग्रेस पार्टी पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। कांग्रेस के कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर पहुंचकर प्रभावित मतदाताओं को आवश्यक मार्गदर्शन, दस्तावेजी सहायता एवं हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे, ताकि कोई भी पात्र मतदाता केवल तकनीकी या प्रक्रियागत कारणों से अपने मताधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित एवं सही होना अत्यंत आवश्यक है। कांग्रेस पार्टी प्रत्येक पात्र मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस अभियान के माध्यम से हर बूथ पर मतदाताओं की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा। बैठक में कांग्रेस नेता अमन बत्रा सहित सभी क्षेत्रवासियों, बीएलओ एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता की। अंत में सभी उपस्थित जनों का सहयोग एवं सहभागिता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

दो दुकानों के ताले तोड नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों दो दुकानों के ताले तोड वहां से नगदी व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतीतनगर निवासी आदित्य सैनी ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी धर्मावाला में दुकान है। आज जब वह दुकान पर पहुंचा तो देखा कि उसकी दुकान का ताला टूटा हुआ था तभी पास के दुकानदार नानक सिंह ने आकर बताया कि उसकी दुकान के भी ताले टूटे हुए हैं तथा अन्दर से 35 रूपये गायब हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्कार्पियों किराये पर लेकर फरार

संवाददाता

देहरादून। स्कार्पियो किराये पर लेकर तीन लोग फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगाली कोठी अजबपुर निवासी दिव्याशु त्रिपाठी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका वाहन किराये पर देने का कारोबार है। गत दिवस सहारनपुर निवासी विकास कुमार, रजत व नीटू उसके पास आये उसके यहां से स्कार्पियो किराये पर ले गये। लेकिन उसके बाद वापस नहीं आये। उसने उनके दिये गये मोबाइल नम्बर पर भी सम्पर्क किया लेकिन मोबाइल बंद मिले। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डोईवाला शिक्षिका प्रताड़ना मामलाः महिला आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान

दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगाः कंडवाल

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने हर्रावाला (डोईवाला) क्षेत्र में नवविवाहिता एवं शिक्षिका सृष्टि कंडारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई दुखद मृत्यु और उससे जुड़े प्रताड़ना के मामले का कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने एसएसपी देहरादून, प्रमेन्द्र डोभाल एवं क्षेत्राधिकारी (सीओ) डोईवाला वंदना वर्मा से दूरभाष पर सीधे वार्ता कर पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सोशल मीडिया पर आए वीडियो और अन्य साक्ष्यों से साफ जाहिर होता है कि पीड़िता को अत्यधिक मानसिक व शारीरिक टॉर्चर का सामना करना पड़ा। इस प्रताड़ना के कारण उसका मानसिक संतुलन इस हद तक प्रभावित हुआ, जो उसकी मौत का कारण बना। ऐसे में इस कृत्य में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा न जाए और उनके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आयोग की अध्यक्ष ने पीड़िता के शोकाकुल परिजनों से भी फोन पर बात की।

पात्र व्यक्तियों को पीएम आवास योजना का हक दिलाने को मोर्चा ने भरी हुंकार

संवाददाता

देहरादून। पात्र व्यक्तियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का हक दिलाने के लिए मोर्चा ने तहसील का घेराव किया।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में तहसील घेराव कर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ वास्तविक पात्र गरीबों को दिलाने, चयन सूची की गहन जांच कराने एवं तहसील स्तर पर इसकी निगरानी को लेकर जिलाधिकारी, देहरादून को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी, विकासनगर विनोद कुमार को सौपा। उप जिलाधिकारी ने सूची की जांच करा कर पात्र लोगों को योजना का लाभ दिलाने का भरोसा दिलाया। नेगी ने कहा कि उक्त आवास योजना के तहत विकासनगर ब्लॉक की सूची में कुछ पात्र लोगों के नाम काटे गए हैं वहीं इसके विपरीत सरकारी नौकरी पेशा वाले, उनके परिजन तथा दो-तीन मंजिला मकान वाले लोगों को सूची में शामिल किया गया है, जैसा कि सूत्र

बताते हैं, जोकि सरकारी धन को ठिकाने लगाने जैसा है। हैरान करने वाली बात यह है कि साधन संपन्न लोगों ने अपने वास्तविक भवन न दर्शाकर पुराने टीन शैड, गौशालाएं व पुराने खंडहर आदि दर्शाकर योजना में मिली भगत कर अपने नाम शामिल करवा लिए। उक्त पूरी सूची की जांच कराए जाने की घेराव/प्रदर्शन में -आकाश पंवार ,विजय राम शर्मा, दिलबाग सिंह, के.सी चंदेल,आर पी भट्ट, अकरम सलमानी, टीकाराम उनियाल, भजन सिंह नेगी, महेंद्र सिंघल, हाजी असद, विनोद रावत, प्रवीण शर्मा पिन्नी,सलीम खान, इदरीश, सुरेशानंद बेलवाल, महेंद्र भंडारी, मुमताज, अनिल गौड, कारी शहजाद, प्रमोद शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष भीम सिंह बिष्ट, पीके गोस्वामी, सोमपाल, वाहिद कुरैशी, मुकेश पसपोला, मीडिया प्रभारी अतुल हांडा, विनय सजवान, सफीक पांडे,, जसकीरत सिंह, नाजिर, नाहिद, विपिन भारद्वाज,मनीष नेगी, श्याम सिंह, परवेज, ऋषि पाल, जीशान, नरेश ठाकुर, परवीन, गुरु चरण सिंह,चौ.मामराज, साहिल, क्रिस्टीना, नाजिर, रजनीश शर्मा, जयपाल सिंह, सलीम मिर्जा, सफीक पांडा, जयपाल, संजय पटेल, इशरत व सुनील कुमार आदि मौजूद थे।

शहीद उध्म सिंह की पुण्यतिथि पर उनको याद किया

देहरादून (सं)। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कांवली रोड पर महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह जी की पुण्यतिथि पर आज उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि आज के युवाओं को शहीद उधम सिंह जी से प्रेरणा लेकर अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज को उठाना चाहिए। प्रदीप कुकरेती और जय बिष्ट ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के जनरल डायर से जलियांवाला बाग का बदला उधम सिंह जी ने लिया था। जनरल डायर ने जलियांवाला बाग में निहत्थे आंदोलनकारियों पर गोलियां चलाकर शहीद कर दिया था जिसका बदला उधम सिंह जी ने जनरल डायर से लिया जिससे देश वासियों को राहत की सांस मिली। उधम सिंह जी को याद करने वालों में आरिफ वारसी, प्रभात डंडरियाल, प्रदीप कुकरेती, जय बिष्ट, दानिश नूर, गुलाम मुस्तफा, संदीप गुप्ता, पारस यादव, अतुल शर्मा, विपुल नौटियाल, सुशील विरमानी, नितिन राठौड़ आदि शामिल रहे।

जिलाधिकारी के एक्शन से मचा हड़कंप
पटवारी निलंबित, दूसरे अधिकारी पर भी जांच

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के औचक निरीक्षण के दौरान राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली में बड़ी लापरवाही सामने आई। भू-राजस्व अधिनियम की धारा-41 और पैमाइश से जुड़े कई मामलों को महीनों तक लंबित रखने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए राजस्व उपनिरीक्षक (पटवारी) संजय प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं तत्कालीन राजस्व निरीक्षक ब्रजेश कुमार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई मामलों में तहसीलदार के आदेश के बाद भी समय पर कार्रवाई नहीं की गई। कई पत्रावलियां दिसंबर 2025 से लंबित थीं, जिससे आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ा और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ा। जांच में सामने आया कि ग्राम किशनपुर रैकवाल, बमौरी तल्ली और प्रतापगढ़ी मल्ली, काठगोदाम से जुड़े मामलों में आदेश जारी होने के कई महीनों बाद भी पैमाइश और आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई। इसे सरकारी दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही मानते हुए उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 के तहत संजय प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय तहसील भीमताल निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सौरभ असवाल और नगर मजिस्ट्रेट ए.पी. बाजपेयी को सभी लंबित पत्रावलियों का दोबारा निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। डीएम ललित मोहन रयाल ने साफ कहा कि राजस्व मामलों में देरी और जनहित के कार्यों में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नाबालिग बालिका को 12 घंटे में सकुशल बरामद किया

संवाददाता

टिहरी। टिहरी गढ़वाल पुलिस ने एक बार फिर संवेदनशीलता, त्वरित कार्रवाई और पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए मात्र 12 घंटे के भीतर गुमशुदा 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। 29 जुलाई 2026 को थाना छाम क्षेत्र निवासी 16 वर्षीय बालिका प्रातः विद्यालय जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन विद्यालय से वापस घर नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों द्वारा थाना छाम में सूचना दी गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी चंबा के निकट पर्यवेक्षण में

विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने संभावित मार्गों, विद्यालय से आने-जाने वाले रास्तों, बस अड्डों, टैक्सी स्टैंडों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की गहनता से जांच की। लगातार दिन-रात अथक प्रयास करते हुए पुलिस टीम ने ऋषिकेश क्षेत्र में संभावित स्थानों पर सघन सर्च अभियान चलाया। रात्रि लगभग 02 बजे पुलिस टीम ने ऋषिकेश क्षेत्र से नाबालिग बालिका को सकुशल रेस्क्यू कर बरामद कर लिया। बरामदगी के उपरांत बालिका को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करने के बाद उसे सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

नया ‘कानून’ और पुराना ‘नासूर’

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। देशभर में वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल माफिया के बढ़ते नेटवर्क को लेकर उठते सवालों के बीच संसद से एंटी पेपर लीक कानून को मंजूरी मिलने के बाद भाजपा ने इसे युवाओं के भविष्य की सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि अब मेहनत करने वाले युवाओं के सपनों से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। भाजपा ने संसदीय मुहर लगने के बाद कहा कि यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश के करोड़ों विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। पार्टी का दावा है कि लंबे समय से पेपर लीक की घटनाओं ने युवाओं का विश्वास कमजोर किया था, लेकिन अब कठोर कानूनी प्रावधानों के माध्यम से परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाएगा।

भाजपा के अनुसार सरकार की प्राथमिकता हमेशा से यह रही है कि योग्य और मेहनती अभ्यर्थियों को समान अवसर मिले। पार्टी नेताओं ने कहा कि पेपर लीक करने वाले गिरोह केवल कानून नहीं तोड़ते, बल्कि लाखों युवाओं की वर्षों की मेहनत और उनके भविष्य पर भी चोट करते हैं। ऐसे में सख्त कानूनी व्यवस्था समय की सबसे बड़ी आवश्यकता थी। पार्टी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और तकनीकी सुधारों पर जोर देते रहे हैं। इसी दिशा में यह कानून एक मजबूत आधार तैयार करेगा। भाजपा नेताओं ने उम्मीद जताई कि नई व्यवस्था से भर्ती परीक्षाओं में विश्वास बढ़ेगा और युवाओं को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का वातावरण मिलेगा।

◆संसद की मुहर से थम जाएगा पेपर लीक का काला कारोबार, पेपर लीक विरोधी कानून पर बड़ा दावा
◆एंटी पेपर लीक बिल पर संसदीय मुहर को भाजपा ने बताया मोदी सरकार की ऐतिहासिक प्रतिबद्धता
◆नकल माफिया पर कानून का शिकंजा, बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए उठाया कदम: भाजपा

हालांकि, विपक्ष ने कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को सबसे बड़ी चुनौती बताया है। विपक्षी दलों का कहना है कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि राज्यों और भर्ती एजेंसियों में जवाबदेही तय करना, समयबद्ध जांच, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक होगी। उनका तर्क है कि यदि कानून का ईमानदारी से पालन नहीं हुआ तो केवल सख्त प्रावधान समस्या का स्थायी समाधान नहीं बन पाएंगे। पेपर लीक का मुद्दा पिछले कुछ वर्षों में देश की सबसे संवेदनशील राजनीतिक और सामाजिक बहसों में शामिल रहा है। कई राज्यों में भर्ती परीक्षाओं के रद्द होने, युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों और नकल माफिया के खुलासों ने सरकारों पर दबाव बढ़ाया था। ऐसे माहौल में संसद से पारित यह कानून राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भाजपा अब इस कानून को युवाओं के हित में अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। पार्टी का कहना है कि सरकार की मंशा स्पष्ट है कि मेहनत करने वाले युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना और परीक्षा प्रणाली को माफिया मुक्त बनाना। वहीं आने वाले समय में इस कानून की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसका क्रियान्वयन कितना प्रभावी होता है और क्या यह वास्तव में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने में सफल साबित होता है।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आईटी पार्क निवासी अंशुल शर्मा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं मोहकमपुर निवासी हेमेन्द्र कुमार ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि चोरों ने तनिष्क अस्पताल के पास से उसकी स्कूटी चोरी कर ली।

मंदिर के दानपात्र ताला तोड नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मंदिर के दानपात्र का ताला तोड वहां से नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामबाग हरर्बटपुर स्थित मंदिर समिति के अध्यक्ष सुमेर चन्द वर्मा ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज प्रातः जब वह मंदिर में पूजा के लिए आया तो उसने देखा कि मंदिर के दानपात्र का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर से नगदी गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो नाबालिग बहनों से दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। गंगोलीहाट विकासखंड क्षेत्र में दो नाबालिग चचेरी बहनों के साथ दुष्कर्म के प्रयास का गंभीर मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जिसके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, एक 10 वर्षीय बच्ची और उसकी 12 वर्षीय चचेरी बहन आड़ू तोड़ने गई थीं। आरोप है कि इसी दौरान एक युवक ने उन्हें बहला-फुसलाकर अपने कमरे में बुलाया। कमरे में पहुंचते ही उसने दरवाजा बंद कर दिया और उनके साथ गलत हरकतें करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। जिस पर दोनों बच्चियों ने हिम्मत दिखाते हुए कमरे का कुंडा खोलकर वहां से भागने में सफलता हासिल की। घर पहुंचकर उन्होंने पूरी घटना परिजनों को बताई, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों के अनुसार आरोपी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। मामले की जांच जारी है और आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

सड़क पर मिला युवक का शव, सनसनी

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सुबह सवेरे सड़क किनारे युवका का शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। मार्निंग वाक पर निकले लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जिस पर पुलिस व फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मामला हल्द्वानी के कमलुवागांजा रोड का है। जानकारी के अनुसार आज सुबह एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने सड़क किनारे शव पड़ा देखा और इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मुखानी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान दीपक भट्ट, निवासी इन्द्रपुरम कॉलोनी, हरिपुर नायक, हल्द्वानी के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मौत के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू से जांच कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है, वहीं घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने दिया इस्तीफा !

संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सबसे आक्रामक, मुखर और जाने-माने राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में से एक, शहज़ाद पूनावाला ने अचानक पार्टी से इस्तीफ़ा दे दिया है। टेलीविजन डिबेट्स में विपक्ष के छक्के छुड़ाने वाले और हर मोर्चे पर नरेंद्र मोदी सरकार का लोहे की तरह बचाव करने वाले पूनावाला के इस फैसले ने राजनीतिक पंडितों से लेकर आम जनता तक सबको सन्न कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को अपना आधिकारिक इस्तीफ़ा सौंप दिया है, जिसके बाद से ही दिल्ली की सियासत में कयासों का दौर चरम पर पहुंच गया है।

इस्तीफे की खबरों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल को लेकर हो रही है। एक्स पर शहज़ाद पूनावाला ने खुद को केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आजीवन अनुयायी बताया है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि पूरी प्रोफ़ाइल से %बीजेपी% शब्द पूरी तरह नदारद है। दूसरी तरफ, उनके इंस्टाग्राम का बायो अभी भी पुरानी कहानी बयां कर रहा है, जहां वे खुद को बीजेपी का राष्ट्रीय प्रवक्ता बता रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, शहज़ाद पूनावाला ने निजी कारणों का हवाला देते हुए पार्टी नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंपा है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक बीजेपी या स्वयं पूनावाला की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

इस इस्तीफ़े के ठीक एक दिन पहले पूनावाला ने सोशल मीडिया पर अपना एक पुराना इंटरव्यू दोबारा शेयर किया था, जिसे अब उनके सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने के बड़े संकेत के रूप में देखा जा रहा है। इस इंटरव्यू में उन्होंने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा था कि वे बहुत कम उम्र से, यानी लगभग 18-19 सालों से सक्रिय राजनीति का हिस्सा रहे हैं। पूनावाला ने एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा था ़अपनी क्षमता के हिसाब से, मुझे लगता है कि मैं वहां पहुंच गया हूं जहां मैं पहुंचना चाहता था। साल 2०24 में ही मैंने यह तय कर लिया था कि जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल शुरू होगा, मैं सक्रिय राजनीति से पूरी तरह दूरी बना लूंगा। उन्होंने आगे बताया था कि 2०24 की ऐतिहासिक लोकसभा जीत के बाद, उन्होंने कुछ अहम चुनावों में संगठन के लिए अपना योगदान जारी रखने का फैसला किया था, जिसके बाद वे हमेशा के लिए इस चक्रव्यूह से बाहर निकलना चाहते थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।